भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4194

18.03.2026 को उत्तर देने के लिए

'इंस्पायर' योजना

†4194. श्री करण भूषण सिंहः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान उपलब्धियों में नवोन्मेष (इंस्पायर) योजना के अंतर्गत पुरस्कारों, इंटर्नशिप, छात्रवृत्तियां, अध्येतावृत्तियों और संकाय कार्यक्रमों के लिए पृथक-पृथक रूप से आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) ई-एमआईएएस (इंस्पायर पुरस्कार योजना का ई-प्रबंधन) पोर्टल पर पंजीकृत विद्यालयों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है और विशेषकर उत्तर प्रदेश में पंजीकृत सरकारी विद्यालयों की संख्या कितनी है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान देश भर में कितने सरकारी स्कूल के छात्रों को इन्स्पायर मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन्स एंड नॉलेज (एमएएनएके) पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और उत्तर प्रदेश से संबंधित विशिष्ट ब्यौरा क्या है;

(घ) इन्स्पायर-मानक योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के छात्रों के कितने विचार अथवा परियोजनाएं हैं जिन्हें पेटेंट दाखिल करने की सिफारिश की गई है, पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है और पेटेंट प्रदान किए गए हैं; और

(ङ) क्या इंस्पायर-मानक योजना के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों, विशेषकर शैक्षिक रूप से पिछड़े या ग्रामीण जिलों में भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं और यदि हां, तो ऐसी पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान उपलब्धियों में नवोन्मेष (इंस्पायर) योजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की एक राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को मूलभूत और प्राकृतिक विज्ञानों का अध्ययन करने और अभियांत्रिकी, चिकित्सा, कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान करियर अपनाने के लिए आकर्षित करना है। जिससे देश के अनुसंधान एवं विकास आधार को मजबूती मिले। यह योजना विभिन्न शैक्षिक चरणों कई घटकों के माध्यम से संचालित होती है। इंस्पायर-मानक (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) योजना कक्षा VI-XII

में पढ़ने वाले 10-17 वर्ष के विद्यार्थियों पर केंद्रित है, जिसमें नवाचारपूर्ण विचारों और वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया जाता है, विद्यालय ई-एमआईएएस पोर्टल के माध्यम से प्रतिवर्ष अधिकतम पांच विद्यार्थियों को नामांकित कर सकते हैं, और चयनित विद्यार्थियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में अपनी परियोजनाओं को विकसित करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 10,000 रुपये प्राप्त होते हैं। इंस्पायर इंटर्नशिप दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण लगभग 50,000 शीर्ष 1% मेधावी छात्रों के लिए पांच दिवसीय आवासीय विज्ञान शिविरों का आयोजन करती है, जिससे उन्हें अग्रणी वैज्ञानिकों और नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद करने और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होने का अवसर मिलता है। उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (एसएचई) 17-22 वर्ष की आयु के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतिवर्ष 80,000 रुपये की 12,000 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है, ताकि वे मूलभूत और प्राकृतिक विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कर सकें, साथ ही उन्हें मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान करती है। अनुसंधान स्तर पर, इंस्पायर अध्येतावृत्ति पीएचडी कार्यक्रम में अध्ययनरत उत्कृष्ट छात्रों को पांच वर्षों तक सीएसआईआर-यूजीसी नेट के समकक्ष अध्येतावृत्ति (जेआरएफ के रूप में 37,000 रुपये और एसआरएफ के रूप में 42,000 रुपये प्रति माह के साथ-साथ एचआरए और 20,000 रुपये प्रति वर्ष का आकस्मिक अनुदान) प्रदान करके सहायता करती है। इसके अतिरिक्त, इंस्पयार संकाय अध्येतावृत्ति 27-32 वर्ष की आयु के प्रारंभिक करियर वाले पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधानकर्ताओं को मूलभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञानों में स्वतंत्र अनुसंधान करियर बनाने के लिए 1,25,000 रुपये प्रति माह, वार्षिक वेतन वृद्धि और 35 लाख रुपये के अनुसंधान अनुदान के साथ पांच वर्ष की अध्येतावृत्ति प्रदान करती है। ये सभी घटक मिलकर एक निरंतर प्रणाली का निर्माण करते हैं जो स्कूल स्तर से लेकर उन्नत शोध तक वैज्ञानिक प्रतिभा को विकसित करती है। विगत पांच वर्षों के दौरान अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान उपलब्धियों में नवोन्मेष (इंस्पायर) योजना के अंतर्गत आवंटित/जारी/उपयोग की गई धनराशि का विवरण नीचे दिया गया है:

(करोड़ रुपये में)

कार्यक्रम/वित्तीय वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26 (12.03.2026 तक की स्थिति)
इंस्पायर-मानक	56.10	51.50	53.72	58.29	64.65
इंस्पायर-इंटर्नशिप	-	-	0.34	1.75	0.78
इंस्पायर-शी (एसएचई)	196.63	245.44	216.12	218.67	227.48
इंस्पायर अध्येतावृत्ति	160.05	109.00	140.36	129.01	223.21
इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति	86.57	47.44	47.17	35.31	76.06

(ख) ई-एमआईएएस (इंस्पायर अवार्ड्स योजना का ई-प्रबंधन) पोर्टल पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार पंजीकृत विद्यालयों की संख्या नीचे दी गई है:

क्र. सं.	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र	ई-एमआईएएस पर पंजीकृत विद्यालयों की कुल संख्या
1	अंडमान और निकोबार	247
2	आंध्र प्रदेश	21343
3	अरुणाचल प्रदेश	251
4	असम	6067
5	बिहार	45479
6	चंडीगढ़	227
7	छत्तीसगढ	34692
8	दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव	367
9	दिल्ली	2914
10	गोवा	573
11	गुजरात	35843
12	हरियाणा	12842
13	हिमाचल प्रदेश	7436
14	जम्मू और कश्मीर	16797
15	झारखंड	32242
16	कर्नाटक	78072
17	केन्द्रीय विद्यालय संगठन	1237
18	केरल	6712
19	लद्दाख	500
20	लक्षद्वीप	67
21	मध्य प्रदेश	71671
22	महाराष्ट्र	24682
23	मणिपुर	280
24	मेघालय	1641
25	मिजोरम	2738
26	नागालैंड	1372
27	नवोदय विद्यालय समिति	617
28	ओडिशा	43821
29	पुदुचेरी	3093
30	पंजाब	22663
31	राजस्थान	57418

क्र. सं.	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र	ई-एमआईएएस पर पंजीकृत विद्यालयों की कुल संख्या
32	सिक्किम	3025
33	तमिलनाडु	35801
34	तेलंगाना	19720
35	त्रिपुरा	5993
36	उत्तर प्रदेश	88842
37	उत्तराखंड	7441
38	पश्चिम बंगाल	3659
	कुल	698385

उत्तर प्रदेश में कुल पंजीकृत विद्यालयों में से 73,873 सरकारी विद्यालय हैं।

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान, देश भर के सरकारी विद्यालयों के कुल 1,82,430 छात्रों को इंस्पायर-मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन्स एंड नॉलेज (मानक) योजना के अवार्ड्स प्राप्त हुए हैं। इन लाभार्थियों में से 10,988 छात्र उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों से हैं, जिन्हें अपने नवोन्मेषी विचारों और परियोजनाओं को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

(घ) इंस्पायर-मानक योजना के अंतर्गत, उत्तर प्रदेश के 93 छात्रों के विचारों/परियोजनाओं को प्रोटोटाइप विकास हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इन नवाचारों में से, 10 विचारों/परियोजनाओं की सिफारिश की गई है और उन्हें पेटेंट आवेदन के लिए दाखिल किया गया है, जिनमें से 3 पेटेंट आवेदन सफलतापूर्वक पेटेंट के रूप में स्वीकृत हो चुके हैं।

(ङ) विभाग ने इंस्पायर-मानक योजना के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों, विशेष रूप से ग्रामीण और शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में, की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई पहलों की शुरूआत की है। इन पहलों में, जिलों में शिक्षकों, जिला नोडल अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए ऑनलाइन अभिविन्यास बैठकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। जागरूकता और सहभागिता को और मजबूत करने के लिए, विभाग ने अभिविन्यास कार्यशालाओं का आयोजन किया है, विद्यालयों में श्रव्य-दृश्य प्रचार सामग्री और ब्रोशर वितरित किए हैं, तथा नामांकन और मूल्यांकन को सुगम बनाने के लिए क्लाउड-आधारित वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन को चालू किया है। इसके अतिरिक्त, एक संरचित मार्गदर्शन और क्षमता-वर्धन परितंत्र विकसित किया गया है, जिसमें राज्य स्तरीय पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रतिष्ठान (एनआईएफ) के सहयोग से आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर और केंद्रीय विश्वविद्यालयों जैसे प्रमुख संस्थानों में मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

*****